गुरुग्राम
मंगलवार
23 अप्रैल, 2024
वर्ष 12, अंक 112
पृष्ठ 08
मूल्य ₹1.00

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
ह्यूमन इंडिया
हम बनेंगे आपकी आवाज

Website : www.epaperhumanindia.in ; E-mail : humanindiadaily@gmail.com

राजयोग के अभ्यास से ही सकारात्मक परिवर्तन सम्भव: बीके जयंती

अतिथि व्याख्यान का किया गया आयोजन

ह्यूमन इंडिया/ब्यूरो

बल्लभगढ़। सोमवार को अग्रवाल महाविद्यालय बल्लभगढ़ प्रांगण में कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. संजीव गुप्ता के दिशा निर्देशन में संस्कृत विभाग एवं संस्कृत साहित्य परिषद के संयुक्त तत्वधान में अतिथि व्याख्यान का आयोजन 'संस्कृत साहित्य का लौकिक इतिहास' विषय पर किया गया द्य शहीद स्मारक राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय तिगांव से सहायक प्रवक्ता डॉ. सत्यनारायण को व्याख्या हेतु आमंत्रित किया गया द्य अतिथि महोदय ने विद्यार्थियों के समक्ष संस्कृत साहित्य के विभाजन क्रम पर चर्चा करते हुए लौकिक साहित्य पर प्रकाश डाला द्य सर्वप्रथम रामायण और महाभारत महाकाव्य पर विस्तार से चर्चा की साथ इन पर उपजीव्य काव्य को बताते हुए कवि आश्वघोष, भास, महाकवि कालिदास, भारवि, हर्ष, भवभूति इत्यादि पर चर्चा की। कवि कालिदास के अभिज्ञानशाकुंतलम और मेघदूत को विस्तार से बताया साथ ही बताया कि कालिदास की इन दोनों कृतियों से जर्मन कवि 'गेटे' भी बहुत अधिक प्रभावित थे द्य व्याख्यान के अंत में अतिथि महोदय ने विद्यार्थियों के समक्ष संस्कृत में नौकरी के अवसर पर चर्चा करते हुए संस्कृत पढ़ने और पढ़ाने का आग्रह किया द्य व्याख्यान के उपरांत विद्यार्थियों ने प्रश्न के माध्यम से अपने जिज्ञासा अतिथि के समक्ष रखी द्य अतिथि महोदय ने बड़ी प्रसन्नता और सहजता के साथ सभी की जिज्ञासाओं को शांत किया द्य कार्यक्रम का आयोजन डॉ. पूजा सैनी की देखरेख में किया गया द्य अंत में विभागीय अध्यक्षा ने सभी का धन्यवाद किया द्य इस व्याख्यान में 49 विद्यार्थी लाभान्वित हुए।

दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश में प्रसारित हरियाणा का हिन्दी दैनिक

सत्यजय टाईम्स

वर्ष-13, अंक-112 मंगलवार 23 अप्रैल, 2024, पृष्ठ 8, मूल्य 2 रुपये (फरीदाबाद से प्रकाशित) प्रातःकालीन संस्करण हिन्दी दैनिक

RNI NO HARHIN/2012/43543 Ph. 0129- 4042533, Email: sjtfaridabad@gmail.com @SatyajayT satyajaytimes

संक्षिप्त समाचार

अतिथि व्याख्यान का आयोजन

बल्लभगढ़, 22 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/गोपाल अरोड़ा। अग्रवाल महाविद्यालय बल्लभगढ़ प्रांगण में संस्कृत विभाग एवं संस्कृत साहित्य परिषद के संयुक्त तत्वधान में

कार्यक्रम में हिस्सा लेते कालेज के छात्र-छात्राएं।

छाया: सत्यजय टाईम्स/पुष्पा अग्रवाल।

अतिथि व्याख्यान का आयोजन संस्कृत साहित्य का लौकिक इतिहास विषय पर किया गया। शहीद स्मारक राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय तिगांव से सहायक प्रवक्ता डॉ. सत्यनारायण को व्याख्या हेतु आमंत्रित किया गया। अतिथि महोदय ने विद्यार्थियों के समक्ष संस्कृत साहित्य के विभाजन क्रम पर चर्चा करते हुए लौकिक साहित्य पर प्रकाश डाला। सर्वप्रथम रामायण और महाभारत महाकाव्य पर विस्तार से चर्चा की साथ इन पर उपजीव्य काव्य को बताते हुए कवि अश्वघोष, भास, महाकवि कालिदास, भारवि, हर्ष, भवभूति इत्यादि पर चर्चा की 'कवि कालिदास के अभिज्ञानशाकुंतलम और मेघदूत को विस्तार से बताया साथ ही बताया कि कालिदास की इन दोनों कृतियों से जर्मन कवि गेट भी बहुत अधिक प्रभावित थे। व्याख्यान के अंत में अतिथि महोदय ने विद्यार्थियों के समक्ष संस्कृत में नौकरी के अवसर पर चर्चा करते हुए संस्कृत पढ़ने और पढ़ाने का आग्रह किया। व्याख्यान के उपरांत विद्यार्थियों ने प्रश्न के माध्यम से अपने जिज्ञासा अतिथि के समक्ष रखी। अतिथि महोदय ने बड़ी प्रसन्नता और सहजता के साथ सभी की जिज्ञासाओं को शांत किया। कार्यक्रम का आयोजन डॉ. पूजा सैनी की देखरेख में किया गया। अंत में विभागीय अध्यक्षा ने सभी का धन्यवाद किया, इस व्याख्यान में 49 विद्यार्थी लाभान्वित हुए।

फरीदाबाद
स्वतंत्रता आंदोलन में अग्रणी फरीदाबाद स्वास्थ्य सेवाओं में आज भी पिछड़ा

6 अभिमत
सूफी की सुरक्षा पर संकट

9 देश/विदेश
मथुरा के शाही ईदगाह विवाद में वक्फ कानून के प्रावधान लागू नहीं होंगे: हिंदू पक्ष

11 लोकसभा चुनाव
रेवंत रेड्डी ने प्रधानमंत्री मोदी पर तेलंगाना का अपमान करने का आरोप लगाया

RNI NO. HARHIN/2018/75109
फरीदाबाद, मंगलवार, 23 अप्रैल, 2024

फरीदाबाद, नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

ई-पेपर www.pioneerhindi.com पर पढ़िए YouTube सब्सक्राइब करें Pioneer Haryana

भाग्यशाली थे कि हमें विराट कोहली का विकेट मिल गया: फिल सॉल्ट

पेज - 12

अग्रवाल कॉलेज बल्लभगढ़ में अतिथि व्याख्यान का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

अग्रवाल महाविद्यालय बल्लभगढ़ में कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. संजीव गुप्ता के दिशा निर्देशन में संस्कृत विभाग एवं संस्कृत साहित्य परिषद के संयुक्त तत्वावधान में अतिथि व्याख्यान का आयोजन संस्कृत साहित्य का लौकिक इतिहास विषय पर किया। शहीद स्मारक राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय तिगांव से सहायक प्रवक्ता डॉ. सत्यनारायण को व्याख्या के लिए आमंत्रित किया गया। अतिथि ने विद्यार्थियों के समक्ष संस्कृत साहित्य के विभाजन क्रम पर चर्चा करते हुए लौकिक साहित्य पर प्रकाश डाला। सर्वप्रथम रामायण और महाभारत महाकाव्य पर विस्तार से चर्चा की। साथ ही इन पर उपजीव्य काव्य को बताते हुए कवि आश्वघोष, भास, महाकवि कालिदास, भारवि, श्री हर्ष, भवभूति इत्यादि पर चर्चा की।

अतिथि व्याख्यान का आयोजन

By **Jantantratoday** April 23, 2024 3 0

फरीदाबाद,जनतंत्र टुडे

अग्रवाल महाविद्यालय बल्लभगढ़ प्रांगण में कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. संजीव गुप्ता के दिशा निर्देशन में संस्कृत विभाग एवं संस्कृत साहित्य परिषद के संयुक्त तत्त्वधान में अतिथि व्याख्यान का आयोजन 'संस्कृत साहित्य का लौकिक इतिहास' विषय पर किया गया। शहीद स्मारक राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय तिगांव से सहायक प्रवक्ता डॉ. सत्यनारायण को व्याख्या हेतु आमंत्रित किया गया।

अतिथि महोदय ने विद्यार्थियों के समक्ष संस्कृत साहित्य के विभाजन क्रम पर चर्चा करते हुए लौकिक साहित्य पर प्रकाश डाला। सर्वप्रथम रामायण और महाभारत महाकाव्य पर विस्तार से चर्चा की साथ इन पर उपजीव्य काव्य को बताते हुए कवि आश्वघोष,भास, महाकवि कालिदास,भारवि, श्री हर्ष, भवभूति इत्यादि पर चर्चा की।कवि कालिदास के अभिज्ञानशाकुंतलम और मेघदूत को विस्तार से बताया साथ ही बताया कि कालिदास की इन दोनों कृतियों से जर्मन कवि 'गेट' भी बहुत अधिक प्रभावित थे।

व्याख्यान के अंत में अतिथि महोदय ने विद्यार्थियों के समक्ष संस्कृत में नौकरी के अवसर पर चर्चा करते हुए संस्कृत पढ़ने और पढ़ाने का आग्रह किया। व्याख्यान के उपरांत विद्यार्थियों ने प्रश्न के माध्यम से अपने जिज्ञासा अतिथि के समक्ष रखी। अतिथि महोदय ने बड़ी प्रसन्नता और सहजता के साथ सभी की जिज्ञासाओं को शांत किया।

कार्यक्रम का आयोजन डॉ. पूजा सैनी की देखरेख में किया गया। अंत में विभागीय अध्यक्षा ने सभी का धन्यवाद किया। इस व्याख्यान में 49 विद्यार्थी लाभान्वित हुए।

अमर उजाला

संस्कृत पढ़ने से नौकरी के अवसर मिलेंगे

बल्लभगढ़। अग्रवाल महाविद्यालय में सोमवार को संस्कृत विभाग एवं संस्कृत साहित्य परिषद के संयुक्त तत्वावधान में अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें संस्कृत साहित्य के अध्ययन पर बल दिया गया। मुख्य अतिथि के तौर पर शहीद स्मारक राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय तिगांव से सहायक प्रवक्ता डॉ. सत्यनारायण मौज़ूद रहे। उन्होंने रामायण और महाभारत महाकाव्य पर विस्तार से चर्चा की। इसके अलावा कवि आश्वघोष, भास, कालिदास, भारवि, हर्ष, भवभूति इत्यादि पर चर्चा की गई। विद्यार्थियों के समक्ष संस्कृत में नौकरी के अवसर पर चर्चा करते हुए संस्कृत पढ़ने और पढ़ाने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि संस्कृत पढ़ने से नौकरी में अवसर मिलेंगे। व्याख्यान में 50 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। संवाद